SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
NOTES- 6 (TERM-1)

Grade - 3

Subject: हिंदी

Prepared by: Renu Sharma

व्याकरण – कहानी लेखन , गिनती

कहानी – १. कहानियाँ मजेदार और मनोरंजनपूर्ण होती है |

२ . हर कहानी हमें कुछ - न - कुछ शिक्षा प्रदान करती है |

कहानी लिखने के जरूरी नियम –

१ . कहानी लिखने से पहले कहानी की रूप रेखा बना लेना चाहिए ।

२ . कहानी की भाषा सरल व आकर्षक होना चाहिए ।

३ . कहानी हमेशा भूतकाल में लिखनी चाहिए ।

४ . कहानी में शब्दों की सीमा का पूरा ध्यान रखना चाहिए ।

५ . कहानी का अंत उसकी शिक्षा के अनुसार होना चाहिए ।

जैसे – दी गई रुपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए-

लालच का परिणाम

राजा लोभदास को सोना जमा करने का लालच था। _____कुबेर देवता से वरदान माँगा की जिस चीज़ को वह छुएगा_____सोना हो जाएगी।_____राजा जिसे छूता वह ही_____ । बेटी_____पेड़-पौधे उसके छूने से सब सोना बन गये। खाना तक सोने का_____। वह भूखा-प्यासा परेशान _____ और रोने लगा। उसका रोना सुनकर कुबेर देवता _____। राजा ने कुबेर देवता से _____ माँगी और सब कुछ पहले जैसा करने के लिए कहा।

कहानी – राजा लोभदास को सोना जमा करने का लालच था। राजा ने कुबेर देवता से वरदान माँगा कि जिस चीज को वह छुएगा वह सोना हो जाएगी। उस दिन के बाद राजा जिसे छूता वह सोने का बन जाती। उसकी बेटी और पेड़-पौधे भी उसके छूने से सब सोना हो गए। खाना तक सोने का बन गया। वह भूखा प्यासा बहुत परेशान हो गया और रोने लगा। उसका रोना सुनकर कुबेर देवता प्रकट हुए। राजा ने कुबेर देवता से माँफी माँगी और सब कुछ पहले के जैसा करने को कहा |

सीख – लालच का कोई अंत नहीं होता |

गिनती

१	एक	११	ग्यारह	२१	इक्कीस	३१	इकतीस	४१	इकतालीस
२	दो	१२	बारह	२२	बाईस	३२	बत्तीस	४२	बयालीस
३	तीन	१३	तेरह	२३	तेईस	३३	तैंतीस	४३	तैंतालीस
४	चार	१४	चौदह	२४	चौबीस	३४	चौंतीस	४४	चवालीस
५	पाँच	१५	पंद्रह	२५	पच्चीस	३५	पैंतीस	४५	पैंतालीस
६	छह	१६	सोलह	२६	छब्बीस	३६	छत्तीस	४६	छियालीस
७	सात	१७	सत्रह	२७	सत्ताईस	३७	सैंतीस	४७	सैंतालीस
८	आठ	१८	अठारह	२८	अट्ठाईस	३८	अड़तीस	४८	अड़तालीस
९	नौ	१९	उन्नीस	२९	उनतीस	३९	उनतालीस	४९	उनचास
१०	दस	२०	बीस	३०	तीस	४०	चालीस	५०	पचास